बिहार में सामाजिक आन्दोलनः एक अनुशीलन

नवीन चन्द्र कुमार

सामाजिक विषमता, आर्थिक शोषण और विदेशी सत्ता के फलस्वरुप हुए परिवर्तन के प्रति एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया के फलस्वरुप बिहार में निरंतर सामाजिक आंदोलन होते रहे जिसमें जन–जातीय लोगों को शोषण से बचाने के लिए लगातार सामाजिक आंदोलन का प्रयास होने के कारण बिहार में कुछ हद तक समरसता का भाव दिखाई देने लगा। क्योंकि सदियों से समाज में अनेक प्रकार की समस्याएँ, जैसे सामाजिक, आर्थिक, मानसिक, दैहिक शोषण और गरीब लोगों का शोषण होता रहा। सबसे बड़ी समस्या दलित कहलाने वाले वर्ग का शोषण रहा जो बिहार में जन–आंदोलन का प्रमुख कारण बना। यह वर्ग सदियों से पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित रहा। बिहार प्रांत आर्थिक एवं सामाजिक रुप से पिछड़ा था क्योंकि सामाजिक व्यवस्था में छुआछूत एक संक्रामक रोग के तौर पर समाज में व्याप्त था।